खबरों एवं
विज्ञापन हेतु
संपर्क करें
9457222201

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राष्ट्र जगत

राष्ट्र की बुलंद आवाज

संपादक : सौरभ शर्मा

बरेली उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं लखनऊ , दिल्ली , उत्तराखंड , महाराष्ट्र में प्रसारित

वर्ष : 03 अंक :07 पृष्ठ : 08 मूल्य :2 रू

शनिवार , 07 फरवरी 2026

RNI NO. : UPHIN/2024/90933

निगेटिव लोगों से दूर रहो रोज 1 घंटा रिवीजन और 7 घंटे की नींद. प्रधानमंत्री बोलें

एग्जाम वॉरियर्स को PM मोदी की खास सलाह

परीक्षा पे चर्चा.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छात्रों से किया जाने प्र वाला लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का 9वां संस्करण आज आयोजित हुआ. प्रधानमंत्री ने देशभर के छात्रों से संवाद करते हुए पढ़ाई, तनाव और एग्ज़ाम मैनेजमेंट पर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए.
यह वार्षिक संवाद बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले छात्रों की मदद के लिए आयोजित किया जाता है

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने बच्चों से कहा कि:

1. निगेटिव लोगों से दूरी बनाएं
पीएम मोदी ने समझाया कि नकारात्मक सोच वाले लोग आपका आत्मविश्वास कमजोर करते हैं. ऐसे लोगों से दूरी बनाना जरूरी है ताकि मनोबल और फोकस बना रहे.
2. रोज एक घंटा रिवीजन ज़रूरी
उन्होंने कहा कि नियमित रिवीजन से न केवल विषय समझ में आता है, बल्कि एग्ज़ाम के दौरान घबराहट भी कम होती है.
3. कम से कम 7 घंटे की नींद लें
पीएम मोदी ने बताया कि पर्याप्त नींद लेने से दिमाग तेज चलता है, याददाश्त बेहतर होती है और तनाव कम होता है.
4. अपनी पढ़ाई के पैटर्न पर भरोसा करें

'परीक्षा पे चर्चा' में उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स को अपने पढ़ने के तरीके पर भरोसा रखना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसी में छोटे-छोटे बदलाव करते रहना चाहिए- लेकिन दूसरों को देखकर खुद को भ्रमित नहीं करना चाहिए। PMमोदी ने बताया कि स्किल्स या मार्क्स, क्या ज़्यादा ज़रूरीप्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों से कहा कि हर चीज में बैलेंस जरूरी है. आपकी पढ़ाई, स्किल्स और हॉबीज साथ-साथ बढ़नी चाहिए. यही बैलेंस तरक्की की असली चाबी है।

अमेरिका विश्व के तेल की कीमत तय करेगा

चौंक उठी दुनिया ट्रंप के इस चौंकाने वाले दावे से

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला मिलकर दुनिया के कुल तेल भंडार का करीब 68त्न हिस्सा रखते हैं। ट्रंप ने कहा-अमेरिका ने इस साल जनवरी में वेनेजुएला पर कब्जा किया है और अब उसकी तेल संपदा का इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका अपने तेल कारोबार को और आगे बढ़ाएगा और वेनेजुएला के तेल को दुनिया के बाजार में बेचेगा।

कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ एक नए तनाव को दावत दे दी है। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा।' इसके बाद भारत ने भी जवाबी हमला किया और पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी। भारत ने कहा कि जम्मू और कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का हिस्सा थे, हैं और हमेशा देश का अभिन्न अंग रहेंगे।

'तुरंत ईरान छोड़ो...' अमेरिका की चेतावनी

अमेरिका ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने कहा है कि प्लाइट बिना किसी चेतावनी के रद्द या बाधित हो सकती हैं। इसलिए यात्रियों को सीधे एयरलाइंस से जानकारी लेते रहने की सलाह दी गई है। अगर कोई नागरिक देश नहीं छोड़ पाता है तो उसे अपने घर या किसी सुरक्षित इमारत में रहना चाहिए। एडवाइजरी में प्रदर्शनों से दूर और आसपास के हालात पर नजर रखने को कहा गया है।

'अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश, मैनें परमाणु युद्धों को रोका'

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा-अमेरिका दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश है। मैंने अपने पहले कार्यकाल में इसकी सेना का पुनर्निर्माण किया, जिसमें नए और कई नवीनीकृत परमाणु हथियार शामिल हैं। हम युद्धपोत भी जोड़ रहे हैं, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान समुद्र में तैनात युद्धपोतों से 100 गुना शक्तिशाली हैं। मैंने पाकिस्तान और भारत, ईरान-इजराइल, रूस और यूक्रेन के बीच दुनिया भर में परमाणु युद्धों को रोका है।

राज्यसभा की कार्यवाही 9 फरवरी तक स्थगित

राज्यसभा में कई सदस्यों ने अलग-अलग विषयों पर प्राइवेट मेंबर्स बिल पेश किए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सभा की सहमति से सदन की कार्यवाही स्थगित करने की डिमांड की। उपसभापति हरिवंश ने इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से उनकी राय जाननी चाही। किरेन रिजिजू ने भी जयराम रमेश के प्रस्ताव से सहमति जताई। इसके बाद सभा की सहमति से उपसभापति ने कार्यवाही 9 फरवरी को दिन में 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

2 लाख रुपए तौला हो सकता है सोना 2026 के अंत तक

जेपी मॉर्गन ने की भविष्यवाणी 2026 के अंत तक सोना हाई स्केल पर..

सोनारों की दुकान पर भारी भीड़ देखने को मिली। लोगों को जमकर सोने के गहने खरीदे। लेकिन पिछले दो दिनों में सोने तेजी से महंगा भी हुआ। आज 6 फरवरी को सोने की कीमतों में फिर गिरावट आई है।

दुनिया भर में सोने के भाव ने तहलका मचा दिया है। पिछले एक साल से हो रही रिकॉर्ड बढ़ौतरी के बाद अब जनवरी के लास्ट दिनों में सोना भरभराक नीचे आ गिरा। गोल्ड अपने ऑलटाइम हाई 1 लाख 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से सीधा 1 लाख 40 हजार के आसपास गया था। इससे निवेशकों को बड़ा झटका लगा। वहीं खरीदारों में खुशी का माहौल है। गोल्ड में बड़ी गिरावट आने के बाद

जेपी मॉर्गन ने की भविष्यवाणी 2026 के अंत तक ये होंगे सोने के रेट -

सोने में लगातार आ रहे उतार-चढ़ाव के बीच जेपी मॉर्गन ने बड़ी भविष्यवाणी की है। ब्रोकरेज के मुताबिक, 2026 के अंत तक सोना 6,300 डॉलर प्रति औंस (भारतीय करेंसी में 2,00,689 रुपए प्रति 10 ग्राम) तक पहुंच सकता है।

'घूसखोर पंडित' पर बवाल के बाद टीजर-पोस्टर हटा

नीरज पांडे द्वारा प्रोड्यूस और मनोज बाजपेयी स्टारर फिल्म 'घूसखोर पंडत' के टीजर आने के बाद से ही विवादों में घिरी हुई है। नेटिजन्स ने फिल्म के टाइटल की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह ब्राह्मण समुदाय के लिए अपमानजनक है। इस बीच UP के CM योगी ने नेटफ्लिक्स और 'घूसखोर पंडत' के मेकर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया। इस विरोध के बीच फिलहाल फिल्म के सभी प्रमोशनल मटेरियल मेकर्स ने हटा लिए हैं।

आसाराम के अहमदाबाद आश्रम पर चलेगा बुलडोजर, 500 करोड़ से ज्यादा है कीमत

गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद के मोटेरा इलाके में आसाराम आश्रम की 45,000 स्क्वायर मीटर से ज़्यादा पब्लिक जमीन पर राज्य सरकार के अधिकार को बरकरार रखा है. कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले ने लंबे समय से चल रही कानूनी उलझन को खत्म कर दिया है और शहर के भविष्य के खेल और शहरी विकास का रास्ता साफ कर दिया है. वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है.यह विवादित जमीन मोटेरा जैसे बहुत ही अहम इलाके में है, जो नरेंद्र मोदी स्टेडियम और सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बगल में है. अहमदाबाद कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 और भविष्य में होने वाले ओलंपिक्स की तैयारी कर रहा है, इसलिए इस जमीन को राज्य सरकार को वापस करना रणनीतिक रूप से बहुत जरूरी माना जा रहा है. सरकार ने साफ कर दिया है कि इस जगह का इस्तेमाल भविष्य में बड़े स्पोर्ट्स और जनहित विकास कामों के लिए किया जाएगा।

जुमे की नमाज के दौरान पाकिस्तान की मस्जिद में भीषण बम धमाका,69 लोगों की मौत; 169 से ज्यादा घायल

हमलावर ने शिया धार्मिक स्थल पर खुद को उड़ाया इस्लामाबाद के शहजाद टाउन में तरलाई कलां इलाके में स्थित इमाम बारगाह खदीजत-उल-कुबरा में आज जुमे की नमाज के दौरान बम धमाका हुआ। यह धमाका इतना तेज था कि कई लोगों के अंग अलग-थलग हो गए। एक आत्मघाती हमलावर ने जुमे की नमाज के दौरान खुद को भी बम से उड़ा लिया । अचानक हुए इस धमाके की वजह से हाहाकार मच गया हमले में 69 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं।पुलिस और रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत का काम शुरू किया । अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया और घायलों को वहां पहुंचाया गया। इस्लामाबाद के पुलिस चीफ ने पूरे शहर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। अधिकारियों को आशंका है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

'स्वर कोकिला' लता मंगेशकर की आज 4 थीं पुण्य तिथि आज की बिछुड़ी थी हमसे

भारत की 'स्वर कोकिला' लता मंगेशकर की आज पुण्यतिथि है। दिग्गज सिंगर को इस दुनिया को अलविदा कहे 4 साल हो गए हैं, लेकिन उनके गानों की धुन आज भी अमर है। ष्टरू भजनलाल ने कहा- सुर साम्राज्ञी, भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि। आपकी मधुर आवाज आज भी हमारे दिलों में जीवित है और युगों-युगों तक गूंजती रहेगी। भारतीय संगीत जगत में आपके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

सबसे ज्यादा शिकायतें ... मोबाइल कंपनियों की

भारत में स्पैम की बढ़ती शिकायतें

संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर द्वारा लोकसभा में दिए गए डेटा के अनुसार, स्पैम कॉल और मैसेज से संबंधित शिकायतों में समय के साथ तेजी से वृद्धि हुई है। 2021 में स्पैम कॉल और संदेशों के बारे में शिकायतों की कुल संख्या 8,55,730 थी, जिसमें एयरटेल (3,70,193) और रिलायंस जियो (2,22,489) का योगदान सबसे अधिक था। 2025 तक ये संख्या एयरटेल पर 11,79,994 और जियो पर 10,75,579 तक पहुंच गई।

'डॉलर खत्म हो जाएगा, सोना उसकी जगह लेगा'

मशहूर अमेरिका इकोनॉमिस्ट पीटर शिफ ने बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी दी है। शिफ का मानना है कि हम एक ऐसे आर्थिक संकट की तरफ बढ़ रहे हैं, जिसके सामने 2008 की मंदी छोटी लगेगी। डॉलर धराशायी होगा और उसकी जगह सोना ले लेगा। दुनिया भर के बैंक डॉलर पर अपनी निर्भरता कम कर सोने का रिजर्व बढ़ा रहे हैं। शिफ का यह बयान उस समय आया है जब ग्लोबल मार्केट में सोने चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव जारी है।

राजस्थान हाईकोर्ट को 10 वीं बार आज फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली

राजस्थान हाईकोर्ट को फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। आनन-फानन में परिसर को खाली करा दिया गया है। मौके पर पुलिस और बॉम्ब स्क्वॉड मौजूद है। सर्च ऑपरेशन शुरू हो गया है। जानकारी के मुताबिक, आज करीब 10 वीं बार ऐसा हुआ है, जब मेल के जरिए कोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली है। पिछले साल दिसंबर महीने से यह सिलसिला लगातार जारी है।

ईरान ने कहा... ना झुकेंगे ना बात करेंगे..कोई समझौता नहीं...

ईरान में रह रहे अपने नागरिकों के अमेरिका की चेतावनी के बाद ईरान ने प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने कहा कि वह अमेरिका की शर्तों पर झुकने को तैयार नहीं और कोई बातचीत भी नहीं करेगा। ईरान अपने अधिकारों से किसी भी कीमत पर कोई समझौता नहीं करेंगे। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम आगे बढ़ाया तो इसके गंभीर परिणाम मिलेंगे। साथ ही अपने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी है।

बुक नहीं कर पाएंगे OLA, Uber और Rapido,

ड्राइवर छह घंटे करेंगे हड़ताल 7 फरवरी ओला, उबर और रैपिडो सेवा का लाभ नहीं उठा पाएंगे. दरअसल ओला, उबर और रैपिडो कल 7 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल कर रहे हैं. ड्राइवर यूनियनों ने इसे 'ऑल इंडिया ब्रेकडाउन' का नाम दिया है.हड़ताल का सबसे बड़ा कारण 'मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस 2025' के बावजूद ड्राइवरों की स्थिति में सुधार न होना है.देशभर के हजारों ड्राइवर सुबह से कम से कम 6 घंटे के लिए अपने मोबाइल ऐप्स बंद रखेंगे.ड्राइवर यूनियनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर तुरंत विचार नहीं किया, तो यह ब्रेकडाउन आने वाले समय में अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल सकता है।

खाटूश्यामजी मेले में भंडारा या प्रसाद के लिए घरेलू सिलेंडर काम में लेने पर रोक

खाटूश्यामजी मेले के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग पर कार्रवाई

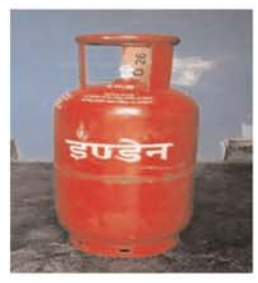

सीकर जिला रसद अधिकारी सीकर विजेंद्र पाल ने बताया कि खाटूश्यामजी नगरपालिका में मेले के दौरान होटल, रेस्टोरेन्ट, भण्डारा, रसोई इत्यादि पर घरेलू गैस सिलेण्डरो के व्यवसायिक दुरूपयोग को रोकने के लिए गठित जांच दल द्वारा आकस्मिक जांच कर कार्यवाही की गई। मौके पर कार्यवाही में सुनीता वर्मा प्रवर्तन अधिकारी, अनुराग बैरवाल प्रवर्तन निरीक्षक एवं सुरभि मीणा प्रवर्तन निरीक्षक द्वारा 7 फर्मो पर गैस सिलेण्डरो की जांच कार्यवाही में एलपीजी की उपदर्शित मानक क्षमता 14.2 किग्रा के कुल 11 गैस सिलेण्डर होटल परिसर में असुरक्षित ढंग से चाय नाश्ता, खाना बनाने के काम में लिया जाना पाया गया।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

प्रहलाद सबनानी

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है।

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों

के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दर्शाता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा।

भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी। भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है। लगभग इसी प्रकार का लाभ अन्य क्षेत्रों यथा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा उत्पाद, खिलोना उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी उत्पाद, केमिकल उत्पाद, फर्नीचर उत्पाद आदि, में कार्यरत इकाईयों की भी होने जा रहा है। इन क्षेत्रों में कार्यरत विनिर्माण इकाईयों के व्यापार में वृद्धि का आश्य सीधे सीधे अधिक श्रमबल की आवश्यकता होना भी है, जिसकी पूर्ति आज विश्व में केवल भारत ही कर सकता है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है।

संपादकीय

संसद में अनछपी किताब

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। परंपरा रही है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में सरकार की जिन नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है, सांसद उन पर चर्चा करते हैं। आलोचना भी करते हैं। विपक्ष का एजेंडा कुछ अलग भी हो सकता है। याद करें, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे। तब अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भर्त्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा-विवाद, सुरक्षा-विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत-चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन-लोकसभा और राज्यसभा-निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार-बार हवाला दिया।

स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दे दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढकर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे। राहुल गांधी जो वाक्य बोल पाए, उनमें डोकलाम टकराव का जिक्र सुनाई दिया, जबकि चीनी सेना के साथ तनाव, टकराव और युद्ध जैसे हालात पूर्वी लद्दाख में पैदा हुए थे। जून, 2020 को जो 'गलवान संघर्ष' हुआ और हमारे 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, वह भी लद्दाख में हुआ था। जनरल नरवणे तब सेना प्रमुख थे और वह अप्रैल, 2022 तक इस पद पर रहे। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की कथित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन उसका हार्डकवर अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब के प्रकाशन की अनुमति देना सरकार का विशेषाधिकार है, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख की किताब राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारी युद्ध रणनीति से भी जुड़ी है। हमारा दुश्मन देश उन जानकारियों का नाजायज फायदा उठा सकता है। लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की संसद में आपत्ति और हस्तक्षेप तार्किक था। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर न बोलने दिया जाए, क्योंकि वह देश को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी के हाथ में दिल्ली प्रेस की पत्रिका 'कारवां' की फोटोप्रति थी, जिसमें कुछ अंश छपे हैं। इससे पहले करीब दो साल पहले कुछ अंश 'द प्रिंट' पत्रिका में छप चुके हैं।

समाचार एजेंसी 'पीटीआई' ने कुछ अंश दिसंबर, 2023 में प्रकाशित किए थे। जाहिर है कि जनरल नरवणे की किताब के कई अंश तो सार्वजनिक हो चुके हैं। सदन में रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की जबरदस्त आपत्तियां इसलिए थीं, ताकि राहुल गांधी के जरिए कुछ विवादास्पद जानकारियां लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज न हो सकें और इस तरह विकृत इतिहास न बन सके। दरअसल चीन का मुद्दा जनरल नरवणे के खुलासों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा संदर्भ ने सेना के पूर्व जनरलों और कर्नल सरीखे विशेषज्ञों के विरोधाभास भी बेपर्दा कर दिए। कुछ पूर्व जनरल उन भारत-चीन समझौतों पर ही सवाल उठा रहे हैं, जो 1993, 1997, 2005 से लेकर 2013 तक किए गए थे। गलवान इसीलिए संभव हो सका, क्योंकि हमारे सैनिक हथियार नहीं उठा सकते थे, गोली नहीं चला सकते थे, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौते हुए थे। संसद की कार्यवाही सोमवार को भी नहीं हो सकी, अब भी हंगामा जारी रहेगा, क्योंकि चीन का मुद्दा बेहद संवेदनशील है।

ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

'ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार'—यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद—या शायद इसी कारण—मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं, बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया, पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं, पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं, पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है, लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं, केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी—सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सत?विचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है, पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैं—कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स—हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता, तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता—ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं।

हम बोलना जानते हैं, पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी को समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है, तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता—इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी, पर संयम नहीं सिखाया। गति दी, पर विराम नहीं। साधन दिए, पर मयार्दा नहीं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं, बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है, पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है, और विवेक का विकास मशीनों से नहीं, मानवीय मूल्यों से होता है।

हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं, पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी, पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है, पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं, सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है, तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है, तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं, पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं, सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा।

परिवार, शिक्षा और समाज—तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं, संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं, बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं, बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। और ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी—पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मयार्दाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतुका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित ह्यसंस्मरणह्ल के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मयार्दा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनियाद एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए।

हिंदी दैनिक समाचार पत्र
राष्ट्र जगत

बरेली में ऐतिहासिक उपलब्धि साई सुखदा हॉस्पिटल में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कुशलता का ऐतिहासिक उदाहरण साई सुखदा हॉस्पिटल में देखने को मिला, जहाँ बरेली के पहले निजी अस्पताल में सफल किडनी प्रत्यारोपण किया गया। उत्तराखंड के जनपद नैनीताल निवासी 35 वर्षीय मरीज (काल्पनिक नाम सुरेश) को उनकी 62 वर्षीय माता (काल्पनिक नाम केला देवी) ने अपनी किडनी दान कर नया जीवन प्रदान किया।

मरीज लंबे समय से दोनों किडनियों के खराब होने के कारण डायलिसिस पर निर्भर थे और नियमित उपचार के लिए नैनीताल से बरेली आ रहे थे। स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने किडनी प्रत्यारोपण की सलाह दी, जिसके बाद मां ने बिना किसी हिचकिचाहट के अंगदान का निर्णय लिया।

ममता बनी जीवनदान

सभी आवश्यक चिकित्सकीय जांचों, कानूनी प्रक्रियाओं और उच्च स्तरीय मेडिकल प्रोटोकॉल के पालन के बाद कई घंटों तक चली जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। प्रत्यारोपण के तुरंत बाद नई किडनी ने कार्य करना शुरू कर दिया और अब मरीज स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है।

62 वर्ष की आयु में मां द्वारा किया गया यह अंगदान समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है और 'अंगदान महादान' के संदेश को मजबूत करता है।

आयुष्मान योजना के तहत बड़ी उपलब्धि

साई सुखदा हॉस्पिटल बरेली का पहला निजी अस्पताल बन गया है जहाँ किडनी प्रत्यारोपण प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान कार्ड) के तहत सफलतापूर्वक किया गया। यह उपलब्धि अस्पताल की उन्नत चिकित्सा व्यवस्था और कुशल डॉक्टर्स टीम को दर्शाती है।

बहेड़ी में बदला सियासी गणित — नसीम अहमद उभर सकते हैं मजबूत दावेदार

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली।2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही बहेड़ी सीट पर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मुस्लिम बहुल मानी जाने वाली इस सीट पर संभावित तीन मुस्लिम चेहरों की चर्चा ने चुनावी समीकरण को रोचक बना दिया है और समाजवादी पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है।

मौजूदा सपा विधायक अताउर रहमान अपने कार्यकाल, संगठनात्मक पकड़ और जमीनी नेटवर्क के बल पर दोबारा मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, एआईएमआईएम की ओर से युवा नेता मो. शादाब एसके को प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चाएं हैं, जिससे युवा मतदाताओं और सपा से नाराज वर्ग के एक हिस्से के खिसकने की संभावना जताई जा रही है।इस पूरे समीकरण में बहेड़ी के पूर्व चेयरमैन नसीम अहमद की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। 2017 के चुनाव में 66 हजार से अधिक वोट पाने वाले नसीम अहमद अपनी सामाजिक पकड़ और राजनीतिक अनुभव के चलते एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरते दिख रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनका रुख चुनावी माहौल की दिशा तय कर सकता है।विश्लेषकों के अनुसार, बहेड़ी की लड़ाई अब सिर्फ पार्टी बनाम पार्टी नहीं रही, बल्कि वोटों के संभावित बिखराव और रणनीतिक पकड़ की लड़ाई बन चुकी है। सपा का परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक उसकी सबसे बड़ी ताकत रहा है, लेकिन एआईएमआईएम की संभावित एंट्री इस संतुलन को बदल सकती है।

आने वाले महीनों में तस्वीर और स्पष्ट होगी, लेकिन यदि तीन मुस्लिम चेहरों का यह सियासी त्रिकोण मैदान में उतरता है तो बहेड़ी की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है।

जगत डायरी

चाइनीज मांझा बेचने बालों पर होगी कठोर कार्रवाई, सूचना देने वाले को मिलेगा इनाम : डीएम अविनाश सिंह

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। जनपद में चाइनीज मांझे के निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर जिला प्रशासन ने पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शासनादेश दिनांक 16 नवंबर 2017 के तहत प्राप्त निर्देशों और हालिया घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए यह सख्त आदेश जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंथेटिक मांझा, सीसा लेपित, नाइलोन डोरी और चाइनीज मांझे के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जाएगा और उल्लंघन करने वालों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और सूचना देने बालों को इनाम दिया जाएगा । डीएम ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में सिटी मजिस्ट्रेट, एडिशनल सिटी मजिस्ट्रेट, संबंधित क्षेत्राधिकारी और जीएसटी अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की गई है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में एसडीएम, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी और जीएसटी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये टीमें लगातार छापेमारी कर यह सुनिश्चित करेंगी कि प्रतिबंधित मांझे का कहीं भी निर्माण या बिक्री न हो। हाल ही में एडीएम सिटी और एसपी सिटी के नेतृत्व में कई संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की गई है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि चाइनीज मांझे के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ऐसे में प्रशासन इसे पूरी तरह रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यदि प्रतिबंध के बावजूद कोई व्यक्ति इस प्रकार के मांझे का निर्माण या बिक्री करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सूचना देने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाएगा और उसकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।जनजागरूकता के लिए शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में होर्डिंग्स, बैनर और पतंग की दुकानों पर चेतावनी संबंधी स्टीकर लगाए जाएंगे। प्रशासन ने अपील की है कि यदि कहीं भी प्रतिबंधित मांझे की बिक्री या उपयोग की सूचना मिले तो कलेक्ट्रेट स्थित 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम या संबंधित अधिकारियों को तत्काल जानकारी दें, ताकि तुरंत कार्रवाई की जा सके।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर सामाजिक समरसता संगोष्ठी संपन्न

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। विश्व हिंदू महासंघ बरेली इकाई के तत्वावधान में संत शिरोमणि रविदास जयंती के पावन अवसर पर 'सामाजिक समरसता' विषयक संगोष्ठी शुक्रवार, 06 फरवरी 2026 को झालर पीपल मंदिर, रिठौरा में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम में संत रविदास के विचारों पर चर्चा करते हुए सामाजिक समानता, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. महंत सुखराम दास (प्रदेश महामंत्री, धर्माचार्य प्रकोष्ठ) एवं मुख्य वक्ता नीरज सैनी (प्रदेश महामंत्री, गौ रक्षा प्रकोष्ठ) रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश मंत्री अशोक अग्रवाल, प्रदेश मंत्री राजेश मौर्य 'बबलू', मंडल प्रभारी ओमपाल मौर्य, प्रदेश मंत्री (धर्माचार्य प्रकोष्ठ) डॉ. वाल व्यास रोहित नंदन तथा भाजपा किसान मोर्चा आंवला के जिलाध्यक्ष नीरज पटेल उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास का जीवन सामाजिक समानता और मानव गरिमा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने उनके प्रसिद्ध संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' को आत्मशुद्धि और सामाजिक सद्भाव का मार्ग बताया तथा जातिगत भेदभाव समाप्त कर समरस समाज के निर्माण पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवेश कुमार पटेल ने की। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने श्रम की प्रतिष्ठा स्थापित की और समाज के हर वर्ग को सम्मान के साथ जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त करना संगठन का प्रमुख उद्देश्य बताया। इसी अवसर पर उन्होंने बिथरी चैनपुर ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में नमन शर्मा की नियुक्ति की घोषणा की और उन्हें संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी।

कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं सभासद रिठौरा मनोज कश्यप तथा जिला मीडिया प्रभारी सौरभ गिरी ने किया। जिला प्रवक्ता सुरेशपाल सिंह ने भी अपने विचार रखे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भजनों एवं गीतों की प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री पुनीत शर्मा, रामौतार पाठक, सूर्य प्रकाश शर्मा, पंकज अग्रवाल, मुकेश राठौर, सुनील पटेल, वीरपाल सिंह, केशव सिंह, रमन चतुर्वेदी, प्रदीप पंडित सहित नगर पंचायत, ब्लॉक एवं तहसील स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन जिलाध्यक्ष देवेश कुमार पटेल के धन्यवाद ज्ञापन और 'सनातन धर्म की जय हो, जय श्री

रहें न रहें हम महका करेंगे बनके सदा से दी लता को श्रद्धांजलि लता के गीतों से सजी महफ़िल

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। स्वर कोकिला लता मंगेश्कर की पुण्यतिथि तिथि पर गीतों की शाम लता के नाम कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को क्लब के कहरवान स्थित कार्यालय सभागार में हुआ। लता के चित्र पर माल्यार्पण करके लता के गीतों से महफ़िल सजाई गई। मधु वर्मा ने लता के सदाबहार गीत रहें न रहें हम महका करेंगे को गाकर माहौल को भावमय कर दिया। अरुणा सिन्हा के गीत उनसे मिली नज़र कि मेरे होश उड़ गए ने बहुत तालियां बटोरी। मीरा मोहन का गीत मौसम है आशिकाना बहुत पसंद किया गया। सुधीर मोहन का गीत फूल तुम्हें भेजा है खत में गाकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी। वहीं प्रकाश चंद्र सक्सेना ने ऐ मालिक तेरे वन्दे हम गीत ने श्रोताओं खूब रिझाया। सरस्वती वंदना मधु वर्मा ने की। स्वागत और संचालन क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा ने किया।अध्यक्षता सुरेश बाबू मिश्रा ने की। सभी का आभार महासचिव प्रदीप माधवार ने व्यक्त किया। निर्भय सक्सेना, मधुरिमा, गंगाराम पाल,नीतू टंडन,प्रीति सक्सेना, इन्द्र देव त्रिवेदी, सुषमा रस्तोगी,बेबी शर्मा,शकुन सक्सेना,सत्येंद्र सक्सेना, डॉ. अखिलेश ,शीला विजय कपूर,मंजू लता ने लता मंगेश्कर के गाने प्रस्तुत करके समां बांध दिया।

'सो जा... गब्बर आ जाएगा' अब फिल्मी डायलॉग नहीं, बरेली में हकीकत बना खौफ

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। शोले फिल्म का मशहूर डायलॉग 'सो जा... गब्बर आ जाएगा' अब सिर्फ सिनेमा तक सीमित नहीं रहा। बरेली के एक गांव में असली गब्बर का ऐसा खौफ पसरा है कि लोग आज भी जुबान खोलने से कांपते हैं। मामला थाना सीबीगंज क्षेत्र के ठिरिया ठाकुरान गांव का है, जहां हिस्ट्रीशीटर गब्बर सिंह उर्फ शिवकुमार सिंह पर धार्मिक आयोजन के दौरान तांडव मचाने का सनसनीखेज आरोप लगा है।

ग्रामीणों के मुताबिक गांव में हर साल माघ पूर्णिमा पर श्रीरामचरितमानस का पाठ और भंडारे का आयोजन होता है। पूरा गांव इसमें शामिल होता है और शांति से प्रसाद वितरण किया जाता है। लेकिन इस बार आयोजन के दौरान गब्बर सिंह को 'पहले' प्रसाद नहीं दिया गया। बस इसी बात पर वह बौखला उठा। आरोप है कि गब्बर सिंह अपने हथियारबंद साथियों के साथ मौके पर पहुंचा, राइफल लहराई और आयोजकों को खुलेआम ललकारते हुए धमकी देने लगा।

कहा जा रहा है कि इसके बाद गब्बर सिंह ने रामायण पाठ में प्रमुख भूमिका निभाने वाले रुद्रपाल सिंह के घर में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। घर में मौजूद मेहमानों और ग्रामीणों के साथ मारपीट की गई। चीख-पुकार के बीच गांव में दहशत फैल गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी असलहों का प्रदर्शन करते हुए फरार हो गया।

ग्रामीणों का कहना है कि गब्बर सिंह का गांव में इतना आतंक है कि उसके खिलाफ बोलने की हिम्मत कोई नहीं करता। आरोप यहां तक हैं कि जिसने भी उसके खिलाफ आवाज उठाई, उसके साथ मारपीट या जानलेवा हमला हुआ। यही वजह है कि गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा रहता है।

हालांकि इस बार पीड़ित रुद्रपाल सिंह ने डर को दरकिनार करते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर गब्बर सिंह और उसके एक साथी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तीन टीमें गठित कर दी हैं। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि इस बार आरोपी किसी भी हाल में नहीं बचेगा और कड़ी कार्रवाई तय है।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या खौफ का पर्याय बन चुका यह 'गब्बर' कानून के शिकंजे में आएगा या फिर गांव पर उसकी दबंगई का साया यूं ही बना रहेगा। पूरे जिले की नजरें अब पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित किया गया विशाल हिंदू सम्मेलन

राष्ट्र जगत संवाददाता

धर्म प्रचारिका के रूप में हिंदू शेरनी साध्वी सरस्वती ने सभा को किया संबोधित

*ब्यूरो चीफ राजकुमार श्रीवास्तव पीलीभीत

पीलीभीत

जनपद पीलीभीत की तहसील पूरनपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे आपको बताते चलें इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश से पधारी साध्वी सरस्वती मंच पर उपस्थित नहीं वहीं दूसरी तरफ मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख पश्चिमी उत्तर प्रदेश भाई पदम सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शेर सिंह तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मेला मैदान स्थित श्री राम जानकी मंदिर के महंत बाबा राघव दास के द्वारा की गई क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पदम सिंह के द्वारा सभा को संबोधित करते हुए आपसी एकता एवं निर्वाचन की बात कही गई वहीं उन्होंने अपने वक्तव्य में परिवार को जोड़ने एवं संबंधों को बचाने तथा आपसी एकता को बनाए रखने की बात कही वहीं दूसरी तरफ पर्यावरण संरक्षण के ऊपर भी कई बातों पर जोर दिया जैसे कि जल संरक्षण वृक्ष रोपण सहित समाज में व्याप्त तमाम प्रकार की बुराइयों को उजागर करने का प्रयास किया वहीं सिख धर्म को लेकर भी उन्होंने एकता एवं निर्वाचन की बात की उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा की गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान के साढे 300 वर्ष आज पूर्ण हो रहे हैं इस अवसर पर हमें उनकी शहादत को उनके बलिदान को याद रखना चाहिए तथा उनके सिखाए हुए मार्ग दिखाए हुए मार्ग पर चलकर समाज में एकता की मिसाल कायम करनी चाहिए उन्होंने वंदे मातरम पर भी विस्तार चर्चा की और कहा कि आज लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व वंदे मातरम की रचना की गई थी वहीं आज संघ की स्थापना को 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं इस अवसर पर उन्होंने कोरोना कल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए योगदान की भी चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी परिचय का मोहताज नहीं है बल्कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने समय-समय पर राष्ट्रहित समाज हित के लिए अपने को आगे बढ़ाया तथा बगैर भेदभाव के सभी के लिए अपनी सेवाएं समर्पित की वहीं मुख्य अतिथि के रूप में पधारी साध्वी सरस्वती ने अपने वक्तव्य में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक त्योहार का देश है यहां हिंदू सम्मेलन जैसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए ताकि सनातन से जुड़े सनातन प्रेमियों को नई दिशा एवं जानकारियां मिलती रहे उन्होंने राष्ट्र प्रेम राष्ट्र धर्म आज के बारे में विस्तार चर्चा की तथा लोगों को वापस में जुड़े रहने की बात कही इस अवसर पर साध्वी सरस्वती जी के द्वारा गोपूजन का कार्यक्रम भी किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा भी विशेष प्रस्तुतियों की गई कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र से लोग पहुंचे एवं मातृशक्ति के रूप में माताएं बहने उपस्थित रही तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के रूप में 129 विधानसभा विधायक बाबूराम पासवान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे

राष्ट्र जगत परिवार

मुख्य संरक्षक
योगीराज भगवान श्री कृष्ण

निदेशक : अमित भारद्वाज
संपादक : सौरभ शर्मा

उपसंपादक :विनोद कुमार मिश्र
सह संपादक :रमाकांत शर्मा
प्रदेश प्रभारी अमित शर्मा
विज्ञापन प्रबंध गिरीश कुमार
अकाउंट प्रबंध आयुष गुप्ता

कार्यालय प्रबंधक
करण श्रीवास्तव गोपाल

बरेली मुख्य प्रतिनिधि
अशोक गुप्ता
मनोज शर्मा
अमित गोस्वामी
सोनू पटेल
मुवीन खान
रोहित कुमार
अनुराधा सक्सेना
प्रदीप उपाध्याय

विधिक सलाहकार
एड. पंकज मिश्रा

जनपदों के प्रतिनिधि

मेरठ जनपद
सचिन कश्यप , मुकुल

बदायू जनपद
आकाश गुप्ता निधि गुप्ता

मथुरा जनपद
पुष्पेंद्र कुमार योगेश पचौरी
नरेंद्र कुमार सत्यदेव शर्मा

पीलीभीत जनपद
रोहित मिश्रा राजकुमार श्री वास्तव अतुल बरखेड़ा

अयोध्या जनपद
दीपक गोस्वामी
राजकुमार श्री वास्तव

गोण्डा
देवेन्द्र नाथ विश्वास

बिजनौर : अनिल शर्मा

झांसी
रितेश पाठक
विशेष खत्री

सोनभद्र
अनिल कुमार

48 ग्राम पंचायत के द्वारा किया गया है टीबी मुक्त होने का दावा

बरेली । जिले में अब टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों का सर्वे कराने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी कर ली है। जिला क्षय रोग अधिकारी बरेली डॉ इंतजार हुसैन ने बताया कि जिले में टीबी उन्मूलन हेतु प्रत्येक वर्ष टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान चलाया जाता है इसके अंतर्गत जिले में ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की जाती हैं ।डीटीओ ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत होने के लिए शासन के द्वारा छह सूचकांक निर्धारित किए गए हैं यह सूचकांक जो पंचायत पूर्ण करेंगी। उस ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त घोषित जिला अधिकारी के द्वारा 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर किया जाता है।

इन सभी सूचकांकों को जो पंचायत पूर्ण करती है वह पंचायत टीबी मुक्त होने का दावा पेश कर सकती है उस दावे के सत्यापन हेतु जिला स्तर से टीम गठित की जाती है उस टीम में मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर पंचायती राज विभाग के अधिकारी एवं टीबी विभाग के एक अधिकारी/ कर्मचारी शामिल होते हैं जो गांव में जाकर जमीनी हकीकत को परखते हैं तत्पश्चात अपनी रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय को 15 फरवरी तक देंगे मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय के द्वारा रिपोर्ट जिलाधिकारी महोदय को प्रेषित की जाएगी। तब 24 मार्च को जिला अधिकारी के द्वारा उक्त ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त घोषित किया जाता है तथा उन गांव के ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र एवं गांधी जी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया जाता है मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा विश्राम सिंह ने अपनी अध्यक्षता में कमेटी का संवेदीकरण कर दिया है अब टीमों ने अपना वेरिफिकेशन का कार्य प्रारंभ कर दिया है ।टीबी मुक्त पंचायत के सूचकांक , 1000 की जनसंख्या पर 30 लोगों को बलगम की जांच होनी चाहिए , 1000 की जनसंख्या पर एक या एक से कम रोगी , उस ग्राम पंचायत की उपचार सफलता दर 85 प्रतिशत होनी चाहिए , उस पंचायत मे रोगीओ की नाट जाच 60% होनी

मण्डलायुक्त द्वारा तहसील बीसलपुर का किया गया निरीक्षण, अभिलेखों का किया अवलोकन

राष्ट्र जगत संवाददाता
राजकुमार श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ पीलीभीत

मण्डलायुक्त बरेली मण्डल बरेली भूपेन्द्र एस चैधरी द्वारा आज तहसील बीसलपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दैनिक वसूली रजिस्टर, तालाब आवंटन रजिस्टर, पट्टा आवंटन रजिस्टर, तहसील दिवस आदि से संबंधित अभिलेखों को देखा। उन्होंने 01 वर्ष से पुराने सभी लंबित प्रकरण शीघ्रता से निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने पट्टा आवंटन पर वृक्षारोपण की स्थिति जांचने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अभिलेखागार, कंप्यूटर रूम, कार्यालय रजिस्ट्रार कानूनगो एवं संग्रह कार्यालय का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर समाधान करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी बीसलपुर, तहसीलदार बीसलपुर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

फतेहगंज पूर्वी पुलिस ने 315 के तमंचा जिंदा कारतूस के साथ तमंचे के शौकीन को पड़कर जेल भेजा

(राष्ट्र जगत संवादाता)

फरीदपुर फतेहगंज पूर्वी आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज युवाक को 315 बोर तमंचा दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया थाना क्षेत्र के गांव बसवानपुर निवासी रामकिशन उर्फ काका नाम के 32 वर्षीय युवक को पुलिस ने बीती रात गस्त के दौरान तमंचा सहित गिरफ्तार किया हल्का इंचार्ज जितेंद्र सिंह अपने पुलिसकर्मी साथियों राजवीर सिंह शैलेंद्र सिंह के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए रात्रि ग्रस्त कर रहे थे इसी दौरान बसावनपुर के पास पुलिया के नजदीक एक युवक संधिग रूप से दिखाई दिया पुलिस पार्टी ने उसे रोक कर पूछना चाहा तो वह युवक भागने लगा पुलिस ने घेर कर युवक को पकड़ लिया और उसकी तलाशी ली तो युवक के पास से नाजायज 315 बोर का एक तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया थाना प्रभारी ने बताया कि यह एक अपराधी किस्म का युवक है जिसके ऊपर जनपद बरेली के विभिन्न स्थानों में आधा दर्जन मुकदमा दर्ज हैं पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया

लाठी डंडों से ली दबंगों ने जिओ स्मार्ट प्वाइंट के कर्मचारियों को जिओ स्मार्ट प्वाइंट में घुसकर को पीटा

(राष्ट्र जगत संवादाता)

फरीदपुर बरेली कस्बा फरीदपुर में रोड पर जिओ का स्मार्ट प्वाइंट है वहां पर ग्राहकों का प्रवेश पूरी तरीके से वर्जित है स्मार्ट प्वाइंट पर फरीदपुर के मोहल्ला ऊंचा के निवासी यश वाल्मीकि और उनके साथी राहुल सक्सेना ड्यूटी कर रहे थे इस दौरान कई लोग डंडे लाठी लेकर स्मार्ट प्वाइंट के गेट पर पहुंच गए और वह अंदर घुसने की कोशिश करने लगे यस वाल्मीकि और उसके साथी कर्मचारियों ने दबंगों को रोकने की कोशिश की जिसके बाद उन्होंने कर्मचारियों के साथ मारपीट करना शुरू कर दी दबंगों ने यश बाल्मिक और उसके साथी राहुल सक्सेना को बेरहमी से वहीं पर पीटा आरोप है कि दबंगों ने यश बाल्मिक को जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया लोगों ने मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया यश बाल्मिकी ने दोनों लोगों को नाम दर्ज करते हुए अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर कोतवाली फरीदपुर को दी है इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है आरोपियों के खिलाफ जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी वायरल वीडियो में कर्मचारियों को पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं दबंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वायरल वीडियो में कई लोग कर्मचारियों को पीटते हुए नजर आ रहे हैं

फरीदपुर में टिकट की सियासत गरम: भाजपा में जवाहर सिंह की दावेदारी मजबूत, समर्थकों में जोश

राष्ट्र जगत संवाददाता
संवाददाता — प्रदीप उपाध्याय
फरीदपुर (बरेली)।

122 फरीदपुर विधानसभा सीट पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पूर्व विधायक स्वर्गीय डॉ. श्याम बिहारी लाल के निधन के बाद यह सीट रिक्त होने से भाजपा के भीतर टिकट को लेकर घमासान शुरू हो गया है। दावेदारों की सूची लंबी होती जा रही है, लेकिन इनमें जवाहर सिंह का नाम सबसे मजबूत दावेदारों में उभरकर सामने आ रहा है ।छात्र राजनीति से लेकर भाजपा संगठन तक का लंबा सफर तय करने वाले जवाहर सिंह इन दिनों फरीदपुर में पूरी तरह सक्रिय हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (छात्र) से की थी और बाद में भाजपा संगठन में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। जमीनी स्तर पर उनकी सक्रियता और कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रियता उन्हें अन्य दावेदारों से अलग पहचान देती है। सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में चल रहे अभियानों और समर्थकों की बढ़ती सक्रियता ने क्षेत्र का राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। उनके समर्थकों का कहना है कि इस बार फरीदपुर से भाजपा का चेहरा जवाहर सिंह ही होंगे।

जवाहर सिंह इससे पहले भाजयुमो के प्रदेश मंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री हैं। इसके अलावा वे केंद्रीय उपभोक्ता सरकारी भंडार लिमिटेड, बरेली के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। संगठन और समाज—दोनों स्तरों पर उनकी सक्रियता उन्हें टिकट की दौड़ में मजबूत बनाती है। हालांकि, भाजपा के दिवंगत विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल के पुत्र भी टिकट के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं, जिससे मुकाबला और रोचक हो गया है।

उधर, समाजवादी पार्टी की ओर से पूर्व विधायक विजयपाल सिंह भी फरीदपुर सीट पर अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं और लगातार कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क कर रहे हैं।

अब देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा 122 फरीदपुर विधानसभा सीट पर किस चेहरे को अपना प्रत्याशी घोषित करती है।

नंदीक्षा वेलफेयर फाउंडेशन ने विशेष बच्चों के साथ मनाया भावपूर्ण वार्षिक उत्सव

राष्ट्र जगत संवाददाता
बरेली। नंदीक्षा वेलफेयर फाउंडेशन ने 5 फरवरी 2026 को वात्सल्य सेवा संस्थान, रेजिडेंसी गार्डन में विशेष बच्चों के साथ वार्षिक उत्सव मनाया। कार्यक्रम दोपहर 2:30 बजे प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एडवोकेट अनिल कुमार सक्सेना तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना और डॉ. पवन सक्सेना रहे।

कार्यक्रम में विशेष बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, खेल व रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। अतिथियों में भाजपा महामंत्री प्रत्येश पांडेय, संतोष पांडेय, कवि रोहित राकेश, विशेष कुमार, अंकुर सक्सेना सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अध्यक्ष नंदा राणा ने सभी का आभार व्यक्त किया। अंत में बच्चों को उपहार वितरित किए गए।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस तैनात

(राष्ट्र जगत संवादाता)

फरीदपुर बरेली थाना भुता के फैजनगर के दिनेश का दूसरे दूसरे पक्ष के पोशाक की लाल और मोर सिंह के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था गुरुवार को दोनों और से जमकर लाठी डंडा चले जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गाली गलौज होते-होते लाठी डंडों से एक दूसरे पर हमला कर दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया गांव में फिलहाल तनाव को देखते हुए भुता थाना प्रभारी ने गांव में पुलिस बल को तैनात कर दिया है जिससे गांव में शांति बनी रहे और किसी भी प्रकार की कोई भी घटना ना हो

312 ग्राम स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 312 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 31 लाख रुपये बताई जा रही है। साथ ही एक तमंचा, 315 बोर का कारतूस और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं। प्रभारी निरीक्षक धनंजय पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 6 फरवरी की रात करीब 3 बजे डेंटल कॉलेज के पीछे वाले रोड पर चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान देवेश सिंह (25), कमल कुमार (21) निवासी ग्राम बीरपुर थाना फरीदपुर तथा अनिकेत शाहू (18) निवासी सुन्दरपुर थाना बिथरी चैनपुर के रूप में हुई है। जबकि एक अन्य आरोपी राजवीर पुत्र नामालूम निवासी कादरगंज मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने स्मैक बेचने के लिए हथियार रखने की बात स्वीकार की है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इंसानियत हर धर्म पर भारी

राष्ट्र जगत संवाददाता
बिजनौर। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीप आइकॉन ब्रांड एंबेसडर लोकसभा चुनाव 2024 सदस्य जिला स्तरीय समिति बिजनौर एमआर पाशा ने कहा कि त्यौहारों के मौके पर अतिउत्साह व खुशी में ऐसा कोई काम न करें, जिससे कानून व्यवस्था एवं भाईचारा प्रभावित हो। उन्होंने सभी से अपनी अपनी जिम्मेदार निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने यहां यह भी कहा की पुलिस प्रशासन की सहायता करते हुए असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल पुलिस को देनी चाहिए। साथ ही शांति व्यवस्था एवं भाईचारा के समाजिक ज़हर घोलने का ऐसा कोई काम न करें जिसमें उसकी समाजिकता और उसकी इंसानियत पर उंगली उठें, अगर कोई ऐसा काम करता है, तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को देकर भारत का एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दे। उन्होंने कहा कि शांति, सदभाव व आपसी भाईचारा ही हमारे मुल्क की आन-बान और शान की पहचान है। भारत की गंगा जमनी तहजीब की दुनिया भर में मिसाल दी जाती है, इस मिसाल को कायम रखें।

उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति या संगठन धार्मिक भावनाएं भड़काते हुए समाज को बांटने का काम कर रहा है, वह पूरी तरह से देशद्रोही है। कोई भी सच्चा व अच्छा देशभक्त कभी भी ऐसा काम नहीं कर सकता है, जिससे नफरत को बढ़ावा मिलता हो। उन्होंने कहा कि नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों व संगठनों का सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाईचारे में ही सभी की भलाई है। सभी को एक-दूसरे के त्यौहार आपस में मिल-जुलकर मनाने चाहिए। इससे आपस में भाईचारा बढ़ता है और देश मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि त्यौहारों की खुशियों में गरीबों, बेसहारों और दिव्यांगों को भी शामिल किया जाना चाहिए। खुशियां जब ही महत्वपूर्ण होती है, जब हम इसमें दूसरों को शामिल करते हैं।

लोकसभा में नीरज मौर्य ने घेरा सरकार को, आयुष्मान योजना में आंकड़े बढ़े पर गुणवत्ता पर सवाल

राष्ट्र जगत संवाददाता
आंवला सांसद नीरज मौर्य द्वारा लोकसभा में पूछे गए प्रश्न से आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पतालों की भूमिका और जमीनी हकीकत सामने आई है। सांसद के प्रश्न के उत्तर में स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नडडा नें बताया गया कि 31 दिसंबर 2025 तक देशभर में कुल 15,733 तथा उत्तर प्रदेश में 1,591 निजी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना में पैनलबद्ध हैं, जिनमें से 7,247 अस्पताल केवल जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच जोड़े गए। बरेली में 209, शाहजहांपुर में 24 और बदायूं में 14 निजी अस्पताल सूचीबद्ध बताए गए। सरकार ने यह भी बताया कि सितंबर 2018 में योजना शुरू होने के बाद से 31 दिसंबर 2025 तक कुल 11.22 करोड़ अस्पताल भर्ती हुई, जिनमें लगभग 49 प्रतिशत महिलाएं थीं। सरकार ने बताया कि देशभर में 85.48 करोड़ आभा एकाउंट बनाए जा चुके हैं। सांसद का कहना है कि केवल खाते बन जाना पर्याप्त नहीं है, असली चुनौती गुणवत्तापूर्ण और सुलभ इलाज सुनिश्चित करने की है। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में समान पहुंच, पारदर्शिता और इलाज की वास्तविक उपलब्धता पर सरकार का जवाब अधूरा है। जरूरत है कि सरकार योजना की समीक्षा कर यह सुनिश्चित करे कि आयुष्मान भारत का लाभ कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जरूरतमंद मरीजों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। बदायूं (14) और शाहजहांपुर (24), जैसे जिलों में पैनलबद्ध अस्पताल की संख्या बेहद कम है। सांसद ने हाल ही में बरेली के चार निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड फर्जीवाड़े तथा देशभर में पैनलबद्ध 15,733 निजी अस्पतालों में सिर्फ डायलिसिस सैन्टर्स व आंखों के उपचार के कितने केन्द्र हैं इसकी भी जानकारी सरकार से चाही है।

सीबीगंज पुलिस ने 630 ग्राम अवैध अफीम के साथ युवक को किया गिरफ्तार

राष्ट्र जगत संवाददाता
बरेली। थाना सीबीगंज पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 630 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रेहान पुत्र कमरूद्दीन खान निवासी ग्राम धुंसा थाना सीबीगंज के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब 22 वर्ष बताई गई है ।प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार चतुर्वेदी के नेतृत्व में थाना सीबीगंज पुलिस टीम 5 फरवरी को क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने व संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग में लगी थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर बरेली-रामपुर रोड से बंडिया नहर के कट पर नशीला पदार्थ बेचने के लिए खड़े अभियुक्त को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 630 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने यह अफीम किसी अज्ञात व्यक्ति से खरीदी थी और उसे बेचने की फिराक में मौके पर खड़ा था। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ थाना सीबीगंज में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार गौतम, हेड कांस्टेबल शोभित कुमार, कांस्टेबल शान्ति स्वरूप तथा कांस्टेबल अरविन्द कुमार शामिल रहे।

लोकतंत्र की रक्षा समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता - श्यामलाल पाल

राष्ट्र जगत संवाददाता
बरेली। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी मतदाता के अधिकार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। वे एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बरेली सर्किट हाउस पहुंचे थे। रात्रि विश्राम के बाद उन्होंने जिला व महानगर स्तर के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर एस.आई.आर. में फॉर्म-7 से जुड़ी स्थिति की जानकारी ली।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बूथ स्तर पर फॉर्म-7 की गंभीरता से जांच करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि कितने मतदाताओं के नाम काटे गए हैं और यदि किसी का नाम गलत तरीके से हटाया गया है तो उसकी लिखित सूचना जिला कार्यालय को दी जाए।

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव एवं विधायक अता उर रहमान, महानगर अध्यक्ष शमीम ख़ाँ सुल्तानी सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष लखनऊ रवाना हो गए।

9 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराएगा बाबा महाकाल सेवा ट्रस्ट

राष्ट्र जगत संवाददाता
9 फरवरी को प्रभात नगर स्थित सोमनाथ मंदिर में होगा भव्य आयोजन

बरेली। सामाजिक सरोकार और सनातन परंपराओं के निर्वहन का संदेश देते हुए बाबा महाकाल सेवा ट्रस्ट रजि. द्वारा 9 कन्याओं का सामूहिक विवाह आगामी 9 फरवरी को प्रभात नगर स्थित सोमनाथ मंदिर में आयोजित किया जाएगा। यह भव्य आयोजन सुबह 9:30 बजे से विधि-विधान के साथ सम्पन्न होगा ।ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल एवं सचिव सुदेश सक्सेना ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मां भगवती के नौ स्वरूपों की भावना से प्रेरित होकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की 9 कन्याओं को ट्रस्ट द्वारा गोद लिया गया है, जिनका पाणिग्रहण संस्कार सामूहिक रूप से कराया जाएगा। विवाह के उपरांत नवदंपत्तियों को गृहस्थी का संपूर्ण सामान एवं आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा ।उपाध्यक्ष आचार्य रमाकान्त दीक्षित ने बताया कि सोमनाथ मंदिर परिसर में नौ वेदियों का निर्माण किया जाएगा, जहां विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सप्तपदी सम्पन्न कराई जाएगी। यह आयोजन सामाजिक समरसता और सेवा भावना का जीवंत उदाहरण बनेगा ।प्रेसवार्ता में कोषाध्यक्ष उमंग गर्ग, सह सचिव मनोज बंसल, मीडिया प्रभारी अजय राज शर्मा, कानूनी सलाहकार हर्ष कुमार अग्रवाल एडवोकेट, कार्यकारिणी सदस्य अमित रस्तोगी, आशू अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, दीपेश कुमार अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, मुकेश बंसल, अनिल खण्डेलवाल, संजय अग्रवाल, मोहित रस्तोगी, लखन शर्मा, समक्ष अग्रवाल, पूनम गर्ग, सिद्धांत बंसल, रविदक्ष,

नाम परिवर्तन सूचना

मैं सुरेश चन्द्र पुत्र राम चन्द्र लाल निवासी ग्राम नदहा माधव टांडा पोस्ट शिव नगर, जिला पीलीभीत 262122 , मैने अपने पुराने नाम 'सुरेश चन्द्र मिश्रा के स्थान पर नया नाम सुरेश चन्द्र है ।
भविष्य में सभी सरकारी, गैर-सरकारी दस्तावेज़ों, बैंक रिकॉर्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों तथा अन्य सभी कानूनी काग़ज़ातों में मेरा नाम 'सुरेश चन्द्र ' ही मान्य होगा।

हिंदी दैनिक समाचार पत्र
राष्ट्र जगत

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैव में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी। सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण, पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है।ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है। वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफागानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : ईशान किशन की बड़ी छलांग, टॉप-10 में ये तीन भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ताज़ा सूची में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉप-10 में जगह बनाए हुए हैं और तिलक वर्मा भी बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल हैं। इसी बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी सीरीज के बाद 32 पायदान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बाएं हाथ के ईशान किशन ने महज तीन मैचों में 207 रन बनाए, जिसमें उनका पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी शामिल रहा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जारी हुई इस रैंकिंग ने किशन की मजबूत फॉर्म पर मुहर लगा दी है।

सूर्यकुमार यादव को फायदा, अभिषेक शर्मा कायम शीर्ष पर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी रैंकिंग में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, युवा ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

साइम अयूब बने नंबर-1 टी20ई ऑलराउंडर

पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर टी20ई ऑलराउंडर्स रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह सीरीज 3-0 से जीती थी, जिसमें 23 वर्षीय अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी झटके। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को शीर्ष स्थान से हटाया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों को भी फायदा

पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अब्रार अहमद ने भी बड़ी छलांग लगाते हुए गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर काबिज वरुण चक्रवर्ती से अब सिर्फ 28 अंक पीछे हैं। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट लिए थे, गेंदबाजों की सूची में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर आठ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की टॉप-10 सूची में भी बदलाव देखने को मिला—इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो बटलर तीसरे स्थान पर पहुंचे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट नौवें स्थान पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के ओपनर रयान रिकेल्टन ने 42 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए। शानदार शतक जड़ने वाले क्विंटन डी कॉक को भी फायदा मिला और वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए।

बार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नामेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह- बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह- अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्करणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन- पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी।

सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डॉसन ने 14 रन बनाए। इसके बाद 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी ढ़ेर हो गयी। उसके पांच बल्लेबाजों ने दो अंकों को पार किया पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। , कुसल मेंडिस ने 26 रन , पथुम निसंका ने 23 जबकि जनित लियानगे ने 17 रन बनाये, कमिंदु मेंडिस ने 14 जबकि पवन रथनायके ने 13 रन बनाये। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 4 जबकि विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4-1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4-1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5-0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4-1 से हराया। वहीं आकाश ने 75 किग्रा और अंकुश ने 80 किग्रा भाग वर्ग में भी 4-1 के अंतर से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत-पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर । पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है।

धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है।

धोनी ने कहा, 'यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं।'

हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं।

धोनी ने कहा, 'मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।'

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम, मेंडिस की वापसी

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है। वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशन मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की अ20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

ओ रोमियो के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी- द बिहार चैप्टर की सख़्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा ङ्क एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है। विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी। एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना ङ्क जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया

उसके लिए मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन-चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

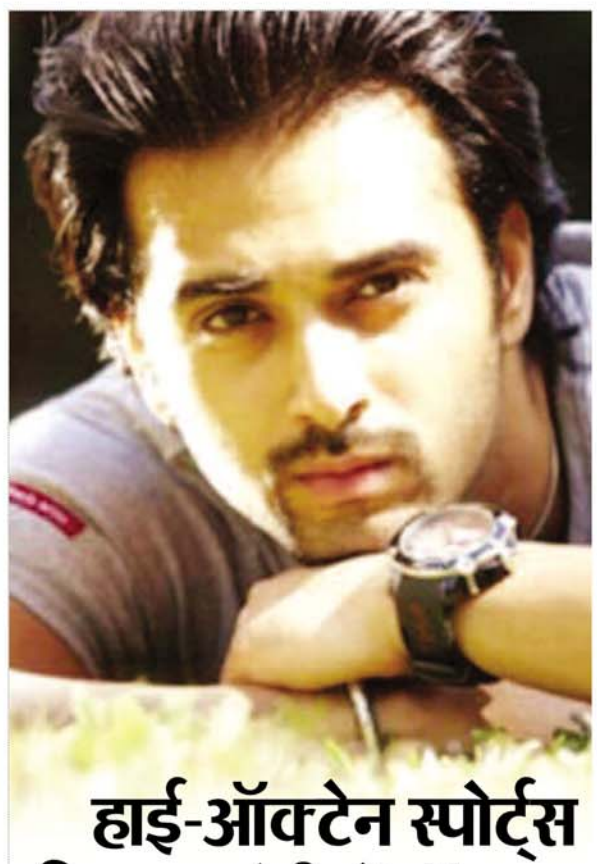

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नजर आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है। पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के ज़रिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी। मोना ने कहा, इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।

कोहरा 2 में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

आप सभी का

नववर्ष 2026 मंगलमय हो !

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

डॉ. दीक्षा गंगवार

एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ
गोल्ड मेडलिस्ट
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)

OPD Timing

मिशन हॉस्पिटल में मिलने का समय
दिन – सोमवार से शनिवार
समय – सुबह 10.00 बजे से 02.30 बजे तक

निःशुल्क परामर्श हेतु अपाइंटमेन्ट बुक करें प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय–सुबह 09.00 बजे से 10.00 बजे तक, सायं 03.30 से 04.30 तक

पता – स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय,
अशर्फी बैंकट हॉल 100 फुटा रोड, बरेली
मो. 78952 78992

आकाश वेट्स

Akash Vets

मल्टीस्पेशलिटी डॉग-कैट हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटर

डॉ. आकाश गंगवार
BVSC & A.H. MISVS
(वेटरिनरी फिजीशियन एवं सर्जन)
*7+yrs. of experience

हमारी सेवाएं:
- सभी प्रकार का ट्रीटमेंट
- अल्ट्रासाउंड व एक्स–रे
- सभी प्रकार की सर्जरी
- ब्लड ट्रांसफ्यूजन
- पैथोलॉजी
- डायलिसिस
- IPD देखभाल
- C.T. Scan
- MRI

* प्रत्येक माह 30 व 1 तारीख को एंटी रैबीज टीकाकरण मुफ्त

SCAN ME
Scan the QR to reach us

पता – 100 फुटा रोड, निकट अशर्फी बैंकट हॉल, बरेली (उ.प्र.)
मो. 8650007775, 8650677577

स्वामी , प्रकाशक , मुद्रक सौरभ शर्मा द्वारा हिंद प्रिंटिंग प्रेस लाला मार्केट के सामने बाबा भैरवनाथ मंदिर के सामने बरेली उत्तर प्रदेश 243001 से मुद्रित एवं कुसुम नगर ग्रीन पार्क बरेली से प्रकाशित ।
प्रधान संपादक सौरभ शर्मा RNI NO. : UPHIN/2024/90933 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों , लेखों का चयन एवं संपादन पीआरबी अधिनियम – 1868 की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायीं । न्यायिक क्षेत्र केवल बरेली मान्य होगा ।

SHREE KRISHNA
PRINTING PRESS
A Unit of RJYS Group
ALL SOLUTIONS FOR PRINTING WORK
Pamphlet
Poster
Letter Head
Visiting Card
ID Card
Envelope
WhatsApp & Contact:
7017533033

RJYS SOLAR SYSTEM
A Unit of RJYS GROUP
Rooftop Solar System for Homes
Low-Cost Solar Solutions in Bareilly
Available Brands:
TATA adani UTL USHA
& Other Leading Brands
Starting From Just ₹1,60,000/- up to ₹1,95,000/-*
(Best Price • High Quality • Long-Term Savings)
Subsidy Assistance
Expert Installation
Trusted & Reliable Service
Contact Us on WhatsApp Now!
7017533033
RJYS MEDIA & LEGAL Business Solution
Trusted Service | Affordable Price | Quality Assured
GSTIN: 09DMXP3555N2ZQ

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डॉ. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
जनरल सर्जन
(Retd. ACMO)
डॉ. विवेक कुमार
मैनेजिंग डायरेक्टर
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
ठाकुर हरीश रावत
चेयरमैन
समस्त प्रकार के ऑपरेशन व
24x7 भर्ती की सुविधा उपलब्ध
पता : लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली।
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

Riyansh Digisign
Pvt. Ltd.
DSC (DIGITAL SIGNATURE/ DONGAL)
•GST REGISTRATION
• GST RETURN FILLING
• ACCOUNTING
03-GOKUL DHAM COLONY, PREM NAGAR, BAREILLY
(M.) 8791914410, 7668145335

आशीष
मेडीकल स्टोर
Dr. Ashish Kumar Maurya
B.N.Y.S.
PHARMACIST
ashishaug86gmail.com
24 घण्टे सेवा उपलब्ध है
पता – निकट के.टी.एम. बैंकट हॉल, बाकरगंज, बरेली
9528001606

Kushalta Narsing Home
Aonla
modiway
the new way
[Modicare since 1996]